आफरी में विश्व पर्यावरण दिवस पर कार्यक्रम (5 जून 2015)

वर्तमान में पर्यावरण के बढते खतरे के कारण मानव जीवन का अस्तित्व भी संकटमय हो गया है। आज की आवश्यकता है कि देश के प्रत्येक नागरिक को अपनी सोच बदलनी होगी तथा प्राकृतिक संसाधनों, वनों एवं वन्य जीवों के संरक्षण हेतु हर सम्भव प्रयास करना होगा, ये उदगार शुष्क वन अनुसंधान संस्थान (आफरी), जोधपुर के सभागार में आफरी निदेशक श्री एन.के. वासु, भा.व.से. ने विश्व पर्यावरण दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में व्यक्त किए। श्री वासु ने पर्यावरण संरक्षण के प्रावधानों एवं इतिहास तथा महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने सभी से अपनी सोच में बदलाव लाकर तथा भावी पीढी हेतु स्वच्छ एवं स्वस्थ पर्यावरण के निर्माण हेतु कार्य करने की आवश्यकता प्रतिपादित की। उन्होंने अपने व्याख्यान में प्राकृतिक संसाधनों के सावधानीपूर्वक उपभोग के बारे में जोर दिया तथा कहा कि हमारे सभी संसाधन जो हमें प्रकृति से प्राप्त हुए हैं, उन्हें उसी गुणवत्ता सहित अपनी भावी पीढ़ी के लिए संरक्षित रखने होंगे तभी आने वाली पीढ़ियाँ गुणवत्तायुक्त जीवन-यापन कर पाएंगी। इस अवसर पर

उन्होंने आफरी परिवार के सभी सदस्यों से भी जल का सावधानीपूर्वक उपयोग करने का आग्रह किया।

दिनांक 5.6.2015 को शुष्क वन अनुसंधान संस्थान (आफरी), जोधपुर में विश्व पर्यावरण दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। इस वर्ष के विश्व पर्यावरण दिवस के विषय: “सात अरब सपने, एक ग्रह, सावधानी से उपभोग “ (Theme: Seven billion Dreams. One Planet. Consume with Care) के सन्दर्भ में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जल, ऊर्जा एवं भोजन में विशेषकर राजस्थान, गुजरात एवं दादरा नगर हवेली के संदर्भ में “सावधानी से उपभोग “ (Consume with Care) पर तथ्य आधारित विचार, प्रस्तुतीकरण के लिए आमंत्रित किए गए। कार्यक्रम में संस्थान के अधिकारियों, वैज्ञानिकों एवं कर्मचारियों सहित वन विभाग के अधिकारी भी उपस्थित रहे।

पर्यावरण दिवस के अवसर पर निदेशक, आफरी एवं प्रभागाध्यक्ष, कृषि वानिकी एवं विस्तार प्रभाग द्वारा संबोधन

पर्यावरण की महत्ता पर व्याख्यान प्रस्तुत करते डॉ तरुण कान्त

कार्यक्रम के प्रारम्भ में कृषि वानिकी एवं विस्तार प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष श्री उमाराम चौधरी, भावसे ने कार्यक्रम की रूपरेखा व महत्व की जानकारी दी। तत्पष्चात् संस्थान के वैज्ञानिक डॉ. तरूण कान्त ने अपने प्रस्तुतीकरण में बताया कि जनसंख्या में लगातार वृद्धि के मद्देनजर भविष्य में आवास एवं खाद्य की भयंकर समस्या उत्पन्न हो सकती है। डॉ. तरूण कान्त ने अपने व्याख्यान में जल एवं उर्जा की वर्तमान स्थिति एवं भविष्य में इसकी आवश्यकता बताते हुए इनकी कमी से होने वाले प्रभावों पर विस्तृत विवेचन प्रस्तुत किया। उन्होंने उन्नत कृषि एवं आनुवांशिकी सुधार से तैयार जीएम पादपों द्वारा खाद्यान्न उत्पादन बढाने एवं कीट नाशकों का कम प्रयोग करने की आवश्यकता बताई। कार्यक्रम में उपवन संरक्षक (वन्य जीव), जोधपुर श्री महेन्द्र सिंह राठौड ने माचिया बायोलॉजिकल पार्क एवं उसकी पारिस्थितिकी के बारे में विस्तृत विवेचन प्रस्तुत किया। उन्होंने वहां की वनस्पति एवं अन्य सुविधाओं के बारे में बताया।

कार्यक्रम के अन्त में शुष्क वन अनुसंधान संस्थान के समूह समन्वयक (शोध) श्री बी.आर.भादू ने पारम्परिक तकनीकों एवं ज्ञान के आधार पर प्राकृतिक संसाधनों के सतत् उपयोग करने का आह्वान किया। उन्होंने परम्परागत तरीके से प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण व पर्यावरण को स्वच्छ बनाने की बात कही तथा सभी का धन्यवाद किया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती भावना शर्मा ने किया।

<u>विष्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर स्वच्छता अभियान</u>

शुष्क वन अनुसंधान संस्थान में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आफरी के मुख्य परिसर में सुबह 6.00 बजे स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में आफरी के अधिकारियों, वैज्ञानिकों एवं कर्मचारियों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया। शुष्क वन अनुसंधान संस्थान के निदेशक ने स्वयं उपस्थित रह कर सभी का उत्साहवर्धन किया तथा सभी ने मिलकर आफरी परिसर की सफाई की।

आफरी परिसर में स्वच्छता अभियान में भाग लेते संस्थान के अधिकारी एवं कर्मचारी

विश्व पर्यावरण दिवस पर आयोजित कार्यक्रम के प्रचार एवं प्रसार के लिए डॉ. नवीन कुमार बोहरा, जन सम्पर्क अधिकारी का विषेष सहयोग रहा। कृषि वानिकी एवं विस्तार प्रभाग में कार्यरत डॉ बिलास सिंह, अनुसंधान अधिकारी, श्री रतना राम लोहरा, अनुसंधान सहायक-प्रथम एवं श्री तेजा राम ने उक्त कार्यक्रम के आयोजन में सहयोग दिया।

आफरी को रूख भायला पुरस्कार - आध्यात्मिक क्षेत्र पर्यावरण संस्थान, जोधपुर की ओर से 28 वे वृक्ष बन्धु पुरस्कार कार्यक्रम में आफरी को रूख भायला पुरस्कार दिया गया। आफरी निदेशक श्री एन.के.वासु ने यह पुस्कार ग्रहण किया। इसी कार्यक्रम में आफरी के जन सम्पर्क अधिकारी डॉ.एन.के. बोहरा को पर्यावरण साहित्य में उत्कृष्ट कार्य हेतु सम्मानित किया गया। आफरी के ही श्री बी.एम कल्ला को भी सम्मानित किया गया।

आफरी को मिले रूख भायला पुरस्कार को ग्रहण करते हुए आफरी के निदेशक श्री एन.के.वासु

विभिन्न समाचार पत्रों में प्रकाशित समाचारों की प्रतियाँ

जनजग 6-6-2015

आफरी में विश्व पर्यावरण दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

जोधपुर, 5 जून। वर्तमान में पर्यावरण के बढ़ते खतरे के कारण मानव जीवन का अस्तित्व भी संकटमय हो गया है। आज की आवश्यकता है कि देश के प्रत्येक नागरिक को अपनी सोच बदलनी होगी तथा प्राकृतिक संसाधनों, वनों एवं वन्य जीवों के संरक्षण हेतु हर सम्भव प्रयास करना होगा यह उद्गार शुष्क वन अनुसंधान संस्थान (आफरी), जोधपुर के सभागार में आफरी निदेशक एन.के. वासु, भावसे ने विश्व पर्यावरण दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में व्यक्त किए। वासु ने पर्यावरण संरक्षण के प्रावधानों एवं

डाला।

डॉ. तरुण कान्त ने अपने व्याख्यान में बताया कि जनसंख्या में लगातार वृद्धि के मद्देनजर भविष्य में रहने एवं खाद्य की भयंकर समस्या उत्पन्न हो सकती है। डॉ. तरुण कान्त ने जल एवं ऊर्जा की वर्तमान स्थिति एवं भविष्य में इसकी आवश्यकता बताते हुए इनकी कमी से होने वाले प्रभावों पर विस्तृत विवेचन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में उपवन संरक्षक (वन्य जीव), जोधपुर महेन्द्र सिंह राठौड़ ने माचिया वन पार्क एवं उसकी पारिस्थितिकी के बारे में विस्तृत विवेचन प्रस्तुत

एवं अन्य सुविधाओं के बारे में बताया। आफरी के समूह (शोध) बी.आर. भादू भावसे ने परम्परागत तकनीकों एवं ज्ञान से प्राकृतिक संसाधनों के सतत उपयोग करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में कृषि वानिकी एवं विस्तार प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष उमा राम चौधरी, भावसे ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती भावना शर्मा ने किया।

आफरी में पर्यावरण दिवस पर सुबह 6 बजे से स्वच्छता अभियान चलाया गया। इसमें आफरी के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने

पर्यावरण बिगड़ने से मानव अस्तित्व खतरे में : वासु

शुष्क वन अनुसंधान संस्थान (आफरी) के सभागार में आयोजित संगोष्ठी में आफरी के निदेशक एनके वासु ने कहा कि पर्यावरण के बढ़ते खतरे के कारण मानव जीवन का अस्तित्व खतरे में पड़ गया है। युवा पीढ़ी को पर्यावरण के प्रति अपनी सोच बदलनी होगी। डॉ. तरुणकांत, महेंद्रसिंह राठौड़, बीआर भादू, उमाराम चौधरी व भावना शर्मा ने भी संबोधित किया। आध्यात्मिक क्षेत्र पर्यावरण संस्थान ने आफरी को वृक्ष बंधु पुरस्कार दिया है। आफरी के निदेशक वासु ने यह पुरस्कार ग्रहण किया। इसी तरह आफरी के जनसंपर्क अधिकारी डॉ. एनके बोहरा व बीएम कल्ला को भी सम्मानित किया गया। भारतीय प्राणी सर्वेक्षण कार्यालय जोधपुर में आयोजित संगोष्ठी में डॉ. संजीव कुमार ने स्लाइड के माध्यम से विश्व पर्यावरण दिवस की महत्ता से अवगत करवाया। इस मौके पर नीता टाक ने भी संबोधित किया।

भास्कर 6-6-2015

तीसरा विश्व युद्ध पानी के लिए- वर्तमान में पर्यावरण के बढ़ते खतरे के कारण मानव जीवन का अस्तित्व संकटमय हो गया है। ऐसे में प्रत्येक नागरिक को अपनी सोच बदलने व प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण की ओर ध्यान देना होगा। यह विचार आफरी के निदेशक एनके वासु ने व्यक्त किए। डा. तरुणकांत ने जल व ऊर्जा की वर्तमान स्थिति, उपवन संरक्षक महेन्द्र सिंह राठौड़ ने माचिया सफारी पार्क की परिस्थितिकी व बीआर भादू ने परम्परागत तकनीकों पर प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि अगर परिस्थितियां यहीं रही तो तीसरा विश्व युद्ध पानी के लिए लड़ा जाएगा। संचालन श्रीमती भावना शर्मा ने किया। वहीं भारतीय प्राणी

6-6-2015

डॉ. नवीन कुमार बोहरा
जन सम्पर्क अधिकारी (प्रचार एवं प्रसार),
शुष्क वन अनुसंधान संस्थान,
जोधपुर (राज.)

काजरी व आफरी में संगोष्ठी

जोधपुर @ पत्रिका. विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर केंद्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान (काजरी) और शुष्क वन अनुसंधान संस्थान (आफरी) में संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें पर्यावरण संरक्षण और उसके बचाव को लेकर जागरूकता का आह्वान किया गया।

काजरी में आयोजित संगोष्ठी में प्रभारी निदेशक डॉ. आरके भट्ट ने कहा कि जलवायु में परिवर्तन हो रहा है तथा बदलाव प्रकृति का नियम है, लेकिन प्रकृति के साथ संतुलन एवं सामंजस्य बिठाने की जरूरत है। प्रधान वैज्ञानिक डॉ. एके शर्मा ने जैविक खेती पर बल दिया। मुख्य वन एवं वन्यजीव संरक्षक डॉ. जीएस भारद्वाज ने थार रेगिस्तान की वनस्पतियों, प्रकृति, वन्य जीवों, पेड़-पौधों, झाड़ियों के बारे में जानकारी दी। मरुस्थलीय पर्यावरण सूचना केन्द्र के प्रभारी डॉ. सुरेश कुमार, डॉ. प्रवीण कुमार और डॉ. ऋतु पुरोहित ने भी अपने विचार रखे।

आफरी में हुए कार्यक्रम में निदेशक एनके वासु ने पर्यावरण संरक्षण को देश के प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य बताते हुए सोच में बदलाव की वकालत की। डॉ. तरुणकांत, उप वन संरक्षक (वन्य जीव) महेंद्र सिंह राठौड़, समूह समन्वयक शोध बीआर भादू, उमाराम चौधरी और भावना शर्मा ने भी अपने विचार रखे। पर्यावरण दिवस के मौके पर आफरी में स्वच्छता अभियान भी चलाया गया।

पर्यावरण के प्रति हर नागरिक की सोच बदलनी होगी-वासु

5 मिनिस्टर 6/6/15

जोधपुर। वर्तमान मे पर्यावरण के बढ़ते खतरे के कारण मानव जीवन का अस्तित्व भी संकटमय हो गया है। आज की आवश्यकता है कि देश के प्रत्येक नागरिक को अपनी सोच बदलनी होगी तथा प्राकृतिक संसाधनों, वनों एवं वन्य जीवों के संरक्षण हेतु हर सम्भव प्रयास करना होगा। यह उद्गार शुष्क वन अनुसंधन संस्थान (आफरी), के सभागार मे आफरी निदेशक एन के वासु ने विश्व पर्यावरण दिवस पर आयोजित कार्यक्रम मे व्यक्त किए।

वासु ने पर्यावरण संरक्षण के प्रावधानों एवं इतिहास तथा महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने सभी से अपनी सोच मे बदलाव लाकर तथा भावी पीढी हेतु स्वच्छ एवं स्वस्थ पर्यावरण के निर्माण हेतु कार्य करने की आवश्यकता प्रतिपादित की। डॉ तरुण कान्त ने अपने व्याख्यान मे बताया कि जनसंख्या मे लगातार वृद्धि के मद्देनजर भविष्य में रहने एवं खाद्य की भयंकर समस्या उत्पन्न हो सकती है। जल एवं ऊर्जा की वर्तमान स्थिति एवं भविष्य में इसकी आवश्यकता बताते हुए इनकी कमी से होने वाले प्रभावों पर विस्तृत विवेचन प्रस्तुत किया। उन्होंने उन्नत कृषि एवं आनुवंशिकी सुधार से तैयार जीएम पादपों द्वारा खाद्यान्न उत्पादन बढ़ाने एवं कीट नाशकों का कम प्रयोग करने [illegible] संरक्षक (वन्य जीव), महेन्द्र सिंह राठौड ने माचिया वन पार्क एवं उसकी पारिस्थितिकी के बारे में विस्तृत विवेचन प्रस्तुत किया। उन्होंने वहां की वनस्पति एवं अन्य सुविधाओं के बारे मे बताया। आफरी के समूह समन्वयक (शोध) बीआर भादू ने परम्परागत तकनीकों एवं ज्ञान से प्राकृतिक संसाधनों के सतत् उपयोग करने का आव्हान किया। उन्होंने बताया कि अगर यही परिस्थितियां रही तो तीसरा विश्वयुद्ध पानी के लिए लड़ा जायेगा। कार्यक्रम में कृषि वानिकी एवं विस्तार प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष उमा राम चोधरी, भावसे ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती भावना शर्मा ने किया। आफरी में पर्यावरण दिवस पर सुबह 6 बजे से स्वच्छता अभियान चलाया गया। इसमे आफरी के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सम्पूर्ण परिसर की सफाई की।

आफरी को रूख भायला पुरस्कार- आध्यात्मिक क्षेत्र पर्यावरण संस्थान की ओर से 28 वें वृक्ष बंधु पुरस्कार कार्यक्रम मे आफरी को रूख भायला पुरस्कार दिया गया। आफरी निदेशक एनके वासु ने यह पुरस्कार ग्रहण किया। इसी कार्यक्रम मे आफरी के जन सम्पर्क अधिकारि डॉ एन के बोहरा को पर्यावरण साहित्य मे उत्कृष्ट कार्य हेतु सम्मानित किया गया। आफरी के ही

पेड़-पौधे लगाने का संकल्प दिलवाया।

आफरी: शुष्क वन अनुसंधान संस्थान की ओर से शुक्रवार को एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसमें आफरी निदेशक एनके वासु भावसे पर्यावरण पर आए संकटों के बारे में बताया। डॉ तरुण कान्त ने जनसंख्या वृद्धि को भी पर्यावरण के लिए नुकसानदायक बताया। उप वनसंरक्षक महेन्द्रसिंह राठौड़ ने माचिया वन पार्क के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी। कृषि वानिकी एवं विस्तार विभाग के प्रभागाध्यक्ष उमाराम चौधरी ने विचार व्यक्त किए। इसके अलावा आध्यात्मिक क्षेत्र पर्यावरण संस्थान की ओर से 28 वें वृक्ष बंधु पुरस्कार में आफरी को रूंख भायला पुरस्कार दिया गया।

दैनिक नवज्योति 6-6-2015